colleges at a particular time in a day so as to ensure equal standard of education to be imparted to students both in urban and rural areas?

THE MINISTER OF INFORMATION AND BROAD CASTING (SHRI S. JAIPAL REDDY): No, Sir. For want of adequate software as well as facilities in schools/colleges to receive the software signals, currently it is not a feasible proposition.

**गढ़वाल और कुमाऊं दूरदर्शन केन्द्रों से क्षेत्रीय कार्यक्रम का प्रसारण**

3310**. श्री मनोहर कान्त ध्यानी**:

क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगेः

दूरदर्शन केन्द्रों पर प्रसारण हेतू क्षेत्रीय कार्यक्रमों के चयन के लिए क्या मानदण्ड निर्धारित किया गया है।

विगत तीन वर्षों के दौरान उत्तर प्रदेश में गढ़वाल और कमाऊं क्षेत्रों के कार्यक्रमों के संबंध में देहरादून को कितने प्रस्ताव मिले हैं और प्रसारण के लिए ऐसे कितने कार्यक्रमों का चयन किया गया है,

विगत तीन वर्षों के दौरान इन क्षेत्रों से प्राप्त हुए कार्यक्रमों का प्रतिशत क्या है, और

इन क्षेत्रों के और अधिक कार्यक्रमों का प्रसारण करने हेतु सरकार क्या कदम उठाने का विचार रखती है?

सूचना और प्रसारण मंत्री (श्री एस. जयपाल रेडडी)ः (क) सभी क्षेत्रीय भाषाओं को प्रतिनिधित्व प्रदान करने का दूरदर्शन का सतत प्रयास रहता है। इस समय दूरदर्शन 13 क्षेत्रीय भाषाओं के उपग्रह चैनलों को परिचालित करता है जो केवल क्षेत्रीय भाषाओं में कार्यक्रमों को प्रसारित करते हैं। इसके अतरिक्त डीडी-1 तथा डीडी-11 चैनल क्षेत्रीय भाषाओं में कार्यक्रमों को प्रसारित करते हैं जो डिश एण्टीना के जरिए समग्र देश में भी उपलब्ध हैं।

(ख) देहरादून में कोई दूरदर्शन केन्द्र नहीं है अतः गढ़वाल तथा कुमाऊं क्षेत्रों के संबंध में प्रस्ताव प्राप्त होने का प्रश्न ही नहीं उठता। तथापि, इन क्षेत्रों के निर्माता दूरदर्शन केंन्द्र , लखनऊ के अपने प्रस्ताव प्रस्तुत करते हैं।

(ग)और (घ) लखनऊ स्थित दूरदर्शन केन्द्र, गढ़वाल तथा कुमाऊं क्षेत्रों के विषयों पर कार्यक्रमों को

(ग) समायोजित करने के लिए सभी प्रयास करता है। हाल ही में केन्द्र ने इस क्षेत्र से संबंधित लगभग 8 वृत्तचित्रों को कमीशण्ड किया हैष। इसके अतिरिक्त, विभिन्न घरेलु तथा अन्य कार्यक्रमों में क्षेत्र की वनस्पति तथा जीव जन्तुओं, समोरोहों तथा वर्षिकोत्सवों पर प्रकाश डाला जाता है।

**दूरदर्शन पर हिन्दी कार्यक्रमों का प्रसारण**

3311. **श्री रामजीलालः** क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) दूरदर्शन के राष्ट्रीय और क्षेत्रीय चैनलों पर राष्ट्रीय भाषा अर्थात हिन्दी के कार्यक्रमों का प्रसारण कितने समय तक किया जाता है,

(ख) क्या सरकार क्षेत्रीय चैनलों पर हिन्दी कार्यक्रमों को समय बढाने का प्रयत्न करेगी. और

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

**सूचना और प्रसारण मंत्री (श्री एस. जयपाल रेडडी)ः** (क) राष्ट्रीय कार्यक्रमों में अर्थात डी.डी.1 पर हिन्दी कार्यक्रमों के लिए दिया गया समय कुल प्रसारण समय का लगभग 70-75%है। जबकि हिन्दी भाषी क्षेत्रों में क्षेत्रीय चैनलों में हिंदी कार्यक्रमों को दिया गया समय कुल प्रसारण समय का लगभग 90-95% है। गैर हिन्दी भाषी क्षेत्रों में क्षेत्रीय चैनलों में संबंधित क्षेत्र की भाषा को प्रसारण समय का लगभग 90% समय दिया जाता है और शेष समय हिंदी, ऊर्दू, संस्कृत तथा क्षेत्र की अन्य भाषाओं के लिए रखा जाता है। इसके अलावा, डी.डी.2 चैनल जो 46 शहरों में उपलब्ध है, पर केवल 80% कार्यक्रम हिंदी में है।

(ख) और (ग) विभिन्न भाषा वाले क्षेत्रों में क्षेत्रीय चैनल मुख्य रुप से संबंधित क्षेत्रों की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए होते हैं तथा वे राष्ट्रीय कार्यक्रमों की कमी को पूरा करते हैं जिनका प्रसारण क्षेत्र व्यापक है। दूरदर्शन के विभिन्न चैनलों पर हिन्दी कार्यक्रमों को दिया गया समय पर्याप्त समझा गया है।

**Introduction of Broadcasting Bill in the Parliament**

3312. SHRI AMAR SINGH: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) whether Government have finalised the legislation on Broadcasting;

(b) if so, the details thereof; and